## फ्रांसीसी ईस्ट इंडिया कंपनी (1664–1954)

- संस्थापक: कोल्बर्ट (लुई 14) के वित्त मंत्री
- पूर्णतः सरकारी कम्पनी
- प्रथम अभियान: फ्रांसिस कैरो (1668 में सूरत)
- मुख्यालय: पुडुचेरी (फ्राँस्वा मार्टिन, फोर्ट सेंट लुई)
- 1742 में डूप्ले के आगमन पश्चात विस्तारवादी नीति

1. पोंडीचेरी
2. पुर्तगाली
3. डच
4. फ्रांस (1674)
5. डच
6. अंग्रेज (1761)
7. फ्रांस (1954)

***फ्रांसीसी ईस्ट इंडिया व्यापार कंपनी***

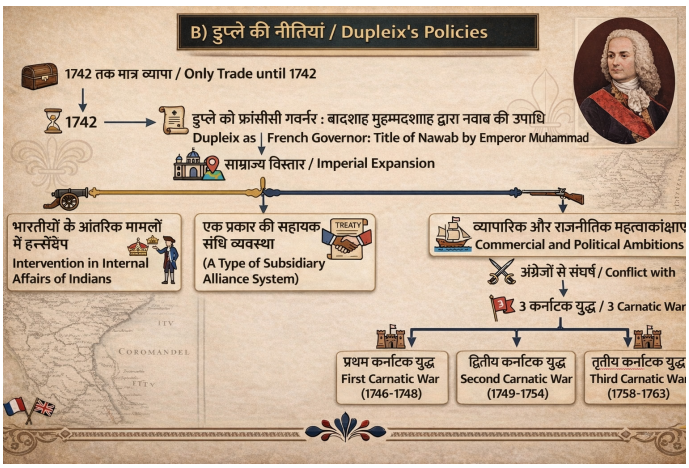


| *युद्ध* | *कारण* | *परिणाम* | *विशेषता* |
|---|---|---|---|
| प्रथम कर्नाटक युद्ध (1746-1748) | ऑस्ट्रिया का उत्तराधिकार युद्ध | ऑक्सा-ला-शापेल संधि (1748 -मद्रास पुनः अंग्रेज़ों को) | ➤ डूप्ले बनाम मोर्स : भारत में यूरोपियों की आँख खोल दी<br>➤ अड्यार / सेंट थोम की लड़ाई (चेन्नई, 1746): कैप्टन पैराडाइज (फ्राँस) एवं कर्नाटक के नवाब अनवर-उद-दीन (पराजय) |
| द्वितीय कर्नाटक युद्ध (1749-1754) | हैदराबाद और कर्नाटक के उत्तराधिकारियों के मुद्रे पर | पांडिचेरी की संधि (1754) | ➤ अंबूर के युद्ध (तमिल नाडु, 1749): चंदा साहिब एवं फ्राँसीसियों ने कर्नाटक नवाब अनवर-उद-दीन की हत्या।<br>➤ 1751 में आर्कोट की घेराबंदी : रॉबर्ट क्लाइव<br>➤ 1754: चार्ल्स रॉबर्ट गोदेहेउ ने डुप्लेक्स का स्थान |
| *1752 में, स्ट्रिंगर लॉरेंस ने ब्रिटिश सेना के साथ मिलकर त्रिचिनापल्ली की घेराबंदी तोड़ने और फ्रेंच सेना को हराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी* | | | हैदराबाद \| नासिरजंग \| मुजफ्फरजंग<br>कर्नाटक \| अनवउद्दीन \| चंदासाहब<br>अंग्रेज \| फ्रांस |
| तृतीय कर्नाटक युद्ध (1758-1763) | यूरोपीय सप्तवर्षीय युद्ध एडमिरल डीएच ने फ्राँसीसी बेड़े को भारी नुकसान | पेरिस की संधि (1763) | ➤ वांडीवाश का युद्ध (22 जनवरी 1760, तमिलनाडु) = अंग्रेज़ आइरे कोटे ने काउंट डी लैली को पराजित (1766 में मृत्युदंड)<br>➤ 1954 तक पुडुचेरी पर फ्रांसीसी नियंत्रण<br>➤ 2 अक्टूबर, 1955 : चंद्रनगर: भारत का हिस्सा बन गया |

## ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी का बंगाल में विस्तार

- सामान्य परिचय
- मुख्य नवाब
  - मुर्शिद कुली ख़ाँ
  - शुजाउद्दीन मुहम्मद ख़ाँ
  - सरफ़राज़ ख़ाँ
  - अलीवर्दी ख़ाँ
  - सिराजुद्दौला
  - मीर जाफर (1757–60 तथा 1763)
  - मीर कासिम
  - नजमुद्दौला
  - सैफउद्दौला
  - मुबारक उद्दौला
- प्लासी का युद्ध 23 जून 1757
- बक्सर का युद्ध 22 अक्टूबर 1764
  - इलाहबाद की संधि
  - बंगाल : द्वैध शासन
- आरंभिक बंगाल के गवर्नर
  - रॉबर्ट क्लाइव
  - वारेन हेस्टिंग्स
  - जॉन मैकफरसन
  - लॉर्ड कार्नवालिस
  - जॉन शोर
  - लॉर्ड वेलैस्ली
  - जॉर्ज वार्लो
  - मिंटो प्रथम
  - लॉर्ड एमहर्स्ट
  - विलियम बेंटिक

### सामान्य परिचय

**1. बंगाल**
- मुगल कालीन सूबा
- वर्तमान बिहार + पश्चिम बंगाल + बांग्लादेश + झारखण्ड + ओडिशा

**2. सोने की चिड़िया**
- अत्याधिक उपजाऊ: चावल, कपास, अफीम, नील
- नौपरिवहन : हुगली नदी + BOB + कलकत्ता बंदरगाह
- पाश्चिमी आक्रमणों से अपेक्षाकृत सुरक्षित

## बंगाल के प्रमुख नवाब

- मुर्शिद कुली खान (1717-1727)
- शुजाउद्दीन मुहम्मद खान (1727-39)
- सरफराज खान (1739-40)
- अलीवर्दी खान (1740-56)
- सिराजुद्दीन दौला (1756-57)
- मीर जाफर (1757-60 व 1763-65)
- मीर कासिम (1760-63)
- नज्मउद्दौला (1765-66)
- सैफुद्दौला (1766-70)
- मुबारक उद दौला (1770-75)

## मुर्शिद कुली खां (1717-27)

1. मुर्शिद कुली खान का मूल नाम
   - सूर्य नारायण मिश्रा
   - अन्य नाम : मुहम्मद हादी / ज़फ़र
2. 1700 → औरंगज़ेब द्वारा बंगाल का दीवान नियुक्त (सूबहदार: अज़ीम-उश-शान)
3. 1707 → दक्कन का सूबेदार
4. 1717 → फर्रुख़सियर द्वारा बंगाल का नवाब नाज़िम नियुक्त (दीवान + सूबेदार)
5. मुख्य कार्य:-
   - बंगाल के पहले नवाब तथा अंतिम सूबेदार
   - मुख्यालय : ढाका से मुर्शिदाबाद
   - इजारेदारी व्यवस्था (भूराजस्व)
   - किसानों को तकाबी ऋण
   - जमींदारों से भूमि लेकर खालसा भूमि में
     - विद्रोह
   - सीताराम राय
   - उदय नारायण
   - गुलाम मुहम्मद

***1704 : अलीमुश्शान द्वारा पाटलिपुत्र का नाम अलीमाबाद***

- 1719 : ओडिशा का विलय
- 1733 : बिहार पर विजय

## अलीवर्दी खां (1740-56)

### 1. घिरिया या गिरिया का युद्ध

- 10 अप्रैल 1740
- नवाब सरफराज (नासिरी वंश) को हराया
- सहायक : बैंकर फतेह चंद (मुहम्मद शाह ने जगत सेठ की उपाधि)

### 2. मुख्य कार्य

- पूर्णत: स्वतंत्र नवाब
- मुगल दरबार में राजस्व भेजना बंद
- मराठों (रघुजी भोसले) को चौथ व उडीसा

***कारण : वित्त मंत्री भास्कर पंत की हत्या***

### 3. अंग्रेजों के प्रति तटस्थ नीति :-

- 'ये मधुमक्खी के समान हैं यदि उन्हें न छेड़ा जाये तो वे शहद देंगी और यदि छेड़ा जाये तो वो डंक मारेगी।'

## मिर्ज़ा मुहम्मद सिराज उद-दौला (1756-57)

1. मूल नाम → मिर्जा मुहम्मद
2. अलीवर्दी खान की बहन (अमीना बेगम) का पुत्र
3. प्रमुख विरोधी
   - मौसी घसीटी बेगम
     - संपत्ति जब्त
   - चचेरा भाई शौकत जंग (पूर्णिया)
     - माणिहारी युद्ध (1756) में मारा
   - सेनापति मीर जाफर
     - हराया: मीर मदान को सेनापति
4. अंग्रेजो से संघर्ष :-
   - कारण
     - दस्तक का दुरुपयोग
     - दीवान राजवल्लभ के पुत्र कृष्णवल्लभ को शरण
     - फोर्ट विलियम (प्रेसिडेंट : रोजर ड्रेक) की किलाबंदी
   - जून 1756 → सिराज का कासिम बाजार तथा फोर्ट विलियम पर आक्रमण
     - रोजर ड्रेक : फुल्टा द्वीप भागा
     - कल्कत्ता का नाम परिवर्तन : अलीनगर (प्रभारी – मणिकचंद)
   - काल कोठरी घटना
     - 20 जून 1756
     - जॉन जेफ़ानिया हॉलवेल (सर्जन)
     - 146 कैदी (123 मरे)
     - 18 फीट लंबे व 14 फीट का कमरा (फोर्ट विलियम)

## अंग्रेजो का पलटवार

- 2 जनवरी 1757 - रॉबर्ट क्लाइव तथा एडमिरल वाटसन ने पुनः फोर्ट विलियम जीता।
- 9 फरवरी 1757 : अलीनगर की संधि
  - कंपनी को तीन लाख युद्ध क्षतिपूर्ति राशि देगा।
  - अफगानियों के विरुद्ध सिराज का सहयोग अंग्रेज करेंगे।
  - कंपनी के अधिकार और क्षेत्र पुनः बहाल किए गए।
  - अंग्रेज अफगानों के विरुद्ध सिराज का समर्थन करेंगे।
- 23 मार्च 1757 → क्लाइव का चंद्रनगर पर हमला
  - 23 जून 1757 – प्लासी युद्ध